हरिभूमि

गुना-राजगढ़-अशोकनगर भूमि फ्रंट पेज

भोपाल, मंगलवार 20 अक्टूबर 2026

राधौगढ़ | मुंगावली | आरोन | चाचौड़ा | कुंभराज | ब्यावरा | सारंगपुर | नरसिंहगढ़ | खिलचीपुर | जीरापुर | चंदेरी | नईसराय | ईसागढ़

06 कर्तापन की भावना छोड़कर आत्मकल्याण की ओर बढ़ें : मुनि ...



07 चंदेरी में लंकाधिपति रावण का दुर्लभ मंदिर, राम-लक्ष्मण व हनुमान...



समाचार संक्षेप

नरवाई जलाने पर चार किसानों पर 12,500 रुपए का जुर्माना

गुना। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देशानुसार जिले में नरवाई जलाने की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए कृषि एवं राजस्व विभाग के संयुक्त अमले द्वारा ग्राम झागर एवं धाननखेड़ी में कार्रवाई करते हुए चार किसानों पर कुल 12,500 रुपये का जुर्माना लगाया गया। कार्रवाई के दौरान ग्राम झागर के किसान शिवम पुत्र ओमप्रकाश किरार पर 5,000 रुपये तथा ग्राम धाननखेड़ी के किसान गोपाल पुत्र सीताराम, संतोष पुत्र विजय एवं जगदीश पुत्र राधेकिशन पर 2,500-2,500 रुपये का जुर्माना लगाया गया। कार्रवाई के दौरान तहसीलदार बमोरी देवदत्त गोलिया, उपसंचालक कृषि विभाग संजीव शर्मा, राजस्व निरीक्षक कालूराम मीना, एईओ निर्मल पंथी सहित राजस्व एवं कृषि विभाग का अमला उपस्थित रहा। कृषि विभाग द्वारा किसानों से अपील की गई है कि वे फसल अवशेषों को न जलाएं तथा नरवाई प्रबंधन के लिए कृषि विभाग द्वारा सुझाए गए वैकल्पिक उपायों को अपनाएं।

ग्राम चौपाल में कृषकों को नरवाई न जलाने का दिलाया संकल्प

गुना। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देशानुसार एवं एसडीएम आरोन के मार्गदर्शन में विगत दिवस तहसील आरोन के ग्राम बूढाखेड़ा में कार्यपालिक मजिस्ट्रेट आरोन एवं कृषि विभाग की टीम द्वारा गॉव की चौपाल में उपस्थित कृषकों को नरवाई न जलाने का संदेश दिया। कृषि विभाग की टीम द्वारा नरवाई जलाने से कृषि भूमि एवं पर्यावरण को होने बाले नुकसान के बारे में बताया गया साथ ही नरवाई प्रबंधन के तरीकों की विस्तार से जानकारी दी गई। नरवाई के संबंध में शासन के नियम निर्देशो से सभी को अवगत कराया गया। सभी कृषको को जागरूकता हेतु पेम्पलेट का वितरण किया गया। इस चौपाल में कार्यपालिक मजिस्ट्रेट आरोन अमित जैन, कृषि विभाग आरोन की टीम सहित कोटवारगण एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

चेक बाउंस मामले में वारंटी दबोचा

गुना। सिटी कोतवाली थाना पुलिस ने न्यायालय भोपाल के चेक बाउंस के एक प्रकरण में लंबे समय से फरार वारंटी को गिरफ्तार किया है। उल्लेखनीय है कि न्यायालय भोपाल में चेक बाउंस से संबंधित प्रकरण क्रमांक 13363/24 धारा 138 एन.आई. एक्ट में आरोपी देवेन्द्र पुत्र प्रीतम सिंह कुशवाह निवासी शिवाजीनगर गुना, न्यायालयीन कार्यवाही से लगातार फरार चल रहा था । प्रकरण में आरोपी की न्यायालय में उपस्थिति सुनिश्चत किए जाने हेतु माननीय न्यायालय से आरोपी के विरूद्ध स्थाई वारंट जारी हुआ था । चूंकि वारंटी के गुना का निवासी होने पर उक्त वारंट तामीली हेतु गुना कोतवाली थाने में प्राप्त हुआ था ।

विकास नगर की महारानी का 18वां वर्ष, दरबार में उमड़ी भक्तों की भीड़



गुना। शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर शहर के विकास नगर स्थित पीपलेश्वर महादेव मंदिर के सामने विराजित विकास नगर की महारानी का दरबार इस वर्ष सफलतापूर्वक अपने 18वें वर्ष में प्रवेश कर गया है।समिति के अध्यक्ष सुनील शर्मा ने बताया कि पिछले 18 वर्षों से निरंतर माता रानी की भव्य झांकी और दरबार का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष माता रानी का दरबार विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। आकर्षक लाइटिंग, फूलों से सजावट और भव्य झांकी को देखने के लिए प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालु पहुंच रहे हैं।सुनील शर्मा ने बताया कि नवरात्रि के नौ दिनों तक यहां प्रतिदिन आरती, भजन-कीर्तन आयोजन किया जाएगा। माता रानी की कृपा से यह आयोजन हर साल और भी भव्य होता जा रहा है। समिति के सभी सदस्यों के सहयोग से इस दरबार को गुना शहर में एक अलग पहचान मिली है।स्थानीय रहवासियों ने बताया कि विकास नगर की महारानी का दरबार आस्था और विश्वास का प्रतीक बन गया है। नवरात्रि में यहां दर्शन करने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

लोकतंत्र, संविधान और जन अधिकारों पर परिचर्चा में किसान, आदिवासी, युवा, छात्रों के मुद्दे

'जन संसद' के गठन की पहल, जन मुद्दों पर एकजुट होंगे पांच दर्जन जन संगठन

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुना



जन मुद्दों पर बिखरी आवाजों को एक मंच पर लाने और जन आंदोलनों को संगठित ताकत देने के उद्देश्य से गुना में 'जन संसद' के गठन की पहल की गई है। लोकतंत्र, संविधान और संघर्ष पर केंद्रित परिचर्चा में पांच दर्जन जन संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में किसान, आदिवासी, युवा, छात्र, महिला और पर्यावरण से जुड़े मुद्दों पर संयुक्त संघर्ष की रूपरेखा तैयार की गई।

बैठक में यह सवाल प्रमुखता से उठा कि जब जनता के अधिकारों, प्राकृतिक संसाधनों और सार्वजनिक संपत्तियों से जुड़े फैसले लिए जा रहे हैं, तो आम लोगों की आवाज को मजबूती से उठाने वाला साझा मंच क्यों न हो? इसी सोच के साथ जन संसद को जन आंदोलनों का ऐसा मंच बनाने पर जोर दिया गया, जो स्थानीय समस्याओं से लेकर व्यापक नीतिगत सवालों तक लगातार संघर्ष करे। मुख्य वक्ता विधायक जयवर्धन सिंह ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए वोट चोरी, किसान विरोधी नीतियों, आदिवासियों के हितों की अनदेखी और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि मौजूदा शासन में इन मुद्दों पर सवाल उठाना और जनता की आवाज बुलंद करना जरूरी है। विधायक ऋषि अग्रवाल ने विधानसभा की कार्यवाही का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि जनहित के सवालों पर पर्याप्त चर्चा नहीं हो पाती और कई बार सदन स्थगित हो जाता है। उन्होंने कहा कि विधानसभा के भीतर भी जनता की आवाज उठाने का संघर्ष जारी है।

एडवोकेट पुष्पराग ने कहा कि शहर को ऐसे जन मंच की जरूरत है, जो नदियों, पर्यावरण और लोकतांत्रिक व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए निरंतर काम करें तथा जनता की समस्याओं को जिम्मेदार संस्थाओं तक पहुंचाए।

एसआईआर और स्मार्ट मीटर भी बने संघर्ष के मुद्दे

डॉ. विष्णु शर्मा ने केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ संयुक्त रूप से संघर्ष करने की जरूरत बताई। मनीष श्रीवास्तव ने एसआईआर प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि मतदाताओं के नाम काटे जाने से उनके मताधिकार पर असर पड़ सकता है। मनोहर मराठा ने सार्वजनिक संपत्तियों के निजीकरण का विरोध करते हुए कहा कि देश के सार्वजनिक संसाधनों को बचाने के लिए संगठित प्रयास जरूरी हैं। वहीं राकेश मिश्रा और नरेंद्र भदौरिया ने स्मार्ट मीटर सहित विभिन्न नीतियों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जनता पर बढ़ते आर्थिक बोझ और सार्वजनिक उपक्रमों से जुड़े मुद्दों को लेकर संघर्ष जारी रहेगा। शशि अहिरवार ने भी अपने विचार रखे।

परिचर्चा का संचालन लोकेश शर्मा ने किया, जबकि रजनीश शर्मा ने आभार व्यक्त किया। बैठक में हरि विजयवर्गीय, आलोक नायक, पंकज कनेरिया, विकास बंसल, सीमा यादव, सीमा राय, विजय यादव, धर्मेंद्र विश्वकर्मा, यशवंत शर्मा, कल्याण लोधी, जहूर खान, रवि शर्मा, पार्षद बंटी सेन, पार्षद नरेंद्र, जैनेन्द्र जैन सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। बैठक में शामिल विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने जनहित के मुद्दों पर साझा मंच से आवाज उठाने और जन आंदोलनों को गति देने की जरूरत पर जोर दिया।

म्याना क्षेत्र में घर में फंदे पर लटका मिला 28 वर्षीय युवक का शव, गांव में फैली सनसनी



हरिभूमि न्यूज ⏭ गुना

जिले के म्याना थाना क्षेत्र के ग्राम भदौरा में गत रात एक 28 वर्षीय युवक का शव घर के अंदर फंदे पर लटका मिलने से गांव में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान महाराज सिंह कोरी पिता चिंटूलाल कोरी निवासी भदौरा के रूप में हुई है। सोमवार को जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। परिजनों के अनुसार महाराज सिंह पिछले तीन-चार महीनों से अपनी ससुराल राजस्थान में रह रहा था। अष्टमी के दिन वह भदौरा स्थित अपने घर आया था, लेकिन उसके आने की जानकारी परिवार के अन्य लोगों को भी नहीं थी। घर में उसकी मां अकेली रहती हैं, जबकि उसका भाई भोपाल में रहता है।

बताया गया कि रविवार को मृतक की मां निहाल देवी के दर्शन करने गई थीं। रात करीब 8 बजे जब वह घर लौटीं तो बाहर लगा ताला टूटा हुआ मिला। उन्होंने चोरी की आशंका जताते हुए शोर मचाया, जिसके बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे।

उस समय बिजली नहीं होने के कारण लोगों ने टॉर्च की रोशनी में घर के अंदर जाकर देखा तो महाराज सिंह फंदे पर लटका मिला। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस को सूचना दी गई। परिजनों का कहना है कि महाराज सिंह ने ऐसा कदम क्यों उठाया, इसकी जानकारी नहीं है। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। सोमवार को जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम कराने के बाद शव अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया गया।

तेज आंधी-पानी में हनुमंता मंदिर की बाउंड्री पर गिरा विशाल पेड़



गुना। रविवार देर शाम चली तेज हवा और बारिश ने हनुमंता मंदिर परिसर में भारी तबाही मचा दी। मंदिर की बाउंड्री वॉल के बाहर खेत में खड़ा एक भारी-भरकम पुराना पेड़ जड़ सहित उखडक़र सीधे मंदिर की बाउंड्री पर आ गिरा। इस दौरान पेड़ गिरने से बाउंड्री पूरी तरह धराशायी हो गई है। दीवार के मलबे के साथ सरिया, सीमेंट के पिलर और ईंटें बिखर गईं। गनीमत रही कि हादसे के समय वहां कोई मौजूद नहीं था, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। पेड़ गिरने से बिजली के तार भी खिंच गए हैं। मंदिर समिति के लोगों ने बताया कि यह पेड़ कई सालों से खेत में खड़ा था। कल की तेज आंधी को झेल नहीं पाया और मंदिर की तरफ गिर गया। इससे मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था पर खतरा पैदा हो गया है, परिसर खुला हो गया है। स्थानीय श्रद्धालुओं ने प्रशासन और मंदिर समिति से मांग की है कि जल्द से जल्द गिरे हुए पेड़ को हटाकर बाउंड्री का पुनर्निर्माण कराया जाए।

चेतना समूह का नौ दिवसीय नवदुर्गा समग्र ध्यान साधना शिविर संपन्न



गुना। भारतीय संस्कृति एवं अध्यात्म के प्रचार-प्रसार में जुटे चेतना समूह, गुना द्वारा शारदीय नवरात्रि के अवसर पर आयोजित 27वां नौ दिवसीय विशेष नवदुर्गा समग्र ध्यान साधना शिविर मां सिद्धिदात्री की आराधना के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। समापन समारोह में साधकों ने शिविर के दौरान प्राप्त आध्यात्मिक अनुभवों एवं विचारों को साझा किया। शिविर मार्गदर्शक भैया दिनेश अग्रवाल ने साधकों को शिविर के सफलतापूर्वक संपन्न होने पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उन्हें पूर्ण एवं दृढ़ विश्वास है कि यह साधना शिविर साधकों के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि, ऐश्वर्य, वैभव, स्वास्थ्य एवं आरोग्य प्रदान करने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने कामना की कि गुरुदेव का स्नेह एवं आशीर्वाद सभी साधकों पर सपरिवार बना रहे और वे जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में निरंतर प्रगति एवं विकास करते रहें। चेतना साधक विकास जैन ने बताया कि नौ दिवसीय विशेष साधना शिविर में दिनेश अग्रवाल ने मां भगवती के नौ स्वरूपों का विस्तृत आध्यात्मिक विवेचन करते हुए उनकी पूजा-अर्चना, उपासना के महत्व एवं साधना पद्धति की जानकारी दी।

नवरात्रि की झांकी देखकर लौट रहे दो युवकों पर चाकू से हमला, एक गंभीर

सिसोदिया कॉलोनी में टेलीफोन एक्सचेंज के पास वारदात

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुना



शहर के सिसोदिया कॉलोनी इलाके में टेलीफोन एक्सचेंज के पास बीती रात एक दर्दनाक वारदात सामने आई, जहां नवरात्र की झांकी देखकर घर लौट रहे दो युवकों पर आधा दर्जन से अधिक बदमाशों ने घेरकर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। इस अचानक हुई हिंसक झड़प में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है, जिसे बेहतर इलाज के लिए अन्य शहर रैफर करने की नौबत आ गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रविवार की रात करीब साढ़े ग्यारह बजे नितिन रजक अपने साथी राहुल के साथ बाइक से घर की ओर आ रहा था। आरोप है कि पूर्व मंत्री की कोठी के पास से ही कुछ अज्ञात युवक लगातार उनका पीछा कर रहे थे। जैसे ही वे टेलीफोन एक्सचेंज के नजदीक पहुँचे, हमलावरों ने उनकी गाड़ी रोक ली और पुरानी रंजिश के चलते ताबड़तोड़ चाकू से वार कर दिए। इस हमले में नितिन की कमर और हाथ पर गंभीर घाव हुए हैं, जबकि उसका साथी राहुल भी जख्मी हो गया।घटना के तुरंत बाद डायल 112 की मदद से दोनों घायलों को जिला चिकित्सालय पहुँचाया गया, जहाँ नितिन की नाजुक हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे भोपाल रैफर करने की सलाह दी। हालांकि, समय पर एम्बुलेंस न मिल पाने के कारण परिजनों को भारी मशक्कत का सामना करना पड़ा। पुलिस ने मौके पर पहुँचकर मामले की जाँच शुरू कर दी है और हमलावरों की तलाश की जा रही है।

लक्ष्मीगंज में गूंजेंगे ठहाके और भक्ति के स्वर, आज आयोजित होगा अभा हास्य कवि सम्मेलन और सुंदरकांड

गुना। शहर के लक्ष्मीगंज क्षेत्र में प्रेमनारायण राठौर (भजन) एवं समस्त राठौर परिवार द्वारा एक भव्य धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। आगामी 20 अक्टूबर को आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में भक्ति रस के साथ-साथ अखिल भारतीय हास्य कवि सम्मेलन का रसपान कराने देश के सुप्रसिद्ध कवि और कथा वाचक गुना पधार रहे हैं। कार्यक्रम की शुरुआत शाम 6 बजे से रात 8 बजे तक संगीतमय सुंदरकांड पाठ के साथ होगी। सुंदरकांड की पावन कथा का वाचन श्रीधाम वृंदावन (मथुरा) से पधार रहे प्रख्यात कथा वाचक पं. नीरज कृष्ण शास्त्री द्वारा किया जाएगा। इसके पश्चात रात्रि 8 बजे से अखिल भारतीय हास्य कवि सम्मेलन का आगाज होगा, जिसमें देश के जाने-माने हास्य एवं व्यंग्य कवि अपनी प्रस्तुतियों से श्रोताओं को गुदगुदाएंगे। कवि सम्मेलन में मुख्य रूप से प्रसिद्ध हास्य कवि प्रताप फौजदार, सुरेश बलबेला, दिनेश दिग्गज, शिखा दीप्ति, उदय दहिया, अर्जुन अल्हड़, अभिराम छतरपुर, सीमा शिवहरे, नमिता नम्रता और कुमार सुरेंद्र मंच संभालेंगे। आयोजक राठौर परिवार ने शहर के सभी धर्मप्रेमी एवं काव्यप्रेमी बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम का आनंद उठाने की अपील की है।

28 अक्टूबर को जिला स्तरीय रोजगार मेला 10वीं पास से स्नातक तक के युवा ले सकेंगे भाग

गुना। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के निर्देशन में 28 अक्टूबर 2026 को शासकीय सांदीपनि विद्यालय, फतेहगढ़ में प्रातः 11 बजे से युवा संगम के अंतर्गत जिला स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल एवं जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक दुबे के मार्गदर्शन में आयोजित इस मेले में रोजगार, स्वरोजगार और अप्रेंटिसशिप के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। जिला रोजगार अधिकारी बीएस मीना ने बताया कि मेले में GDX सिक्योरिटी, चेकमेट सर्विसेज, गोल्डन फार्मर ऑर्गेनिक, LIC गुना और गेल इंस्टीट्यूट ऑफ स्किल्स सहित विभिन्न संस्थान शामिल होंगे। 10वीं, 12वीं एवं स्नातक उत्तीर्ण 18 से 40 वर्ष आयु के युवा साक्षात्कार के माध्यम से रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा स्वरोजगार योजनाओं, वित्तीय साक्षरता एवं कौशल विकास की जानकारी दी जाएगी। साथ ही राष्ट्रीय शिक्षुता प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना, प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना और स्टार्टअप संबंधी जानकारी भी उपलब्ध कराई जाएगी।

सुरक्षा जवानों एवं सुपरवाइजर के पदों पर भर्ती के लिए शिविरों का आयोजन 21 अक्टूबर से

गुना। जिला रोजगार कार्यालय के सहयोग से जीडीएक्स ग्रुप, ग्रेटर नोएडा द्वारा भारत सरकार के पसारा एक्ट 2005 के तहत सुरक्षा जवानों के 250 एवं सुपरवाइजर के 30 पदों पर भर्ती के लिए जनपद पंचायत स्तर पर शिविर आयोजित किए जाएंगे।

अष्टम मंगल पाठ संपन्न, मां के भजनों से गूंजे जयकारे



हरिभूमि न्यूज ⏭ गुना

श्री जीणमाता सेवा समिति, गुना के सानिध्य में शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर अष्टम मंगल पाठ का आयोजन प्रदीप खंडेलवाल के स्वनिवास, मॉडर्न स्कूल के पास, गली नंबर 1 में किया गया। इस अवसर पर मां भगवती का भव्य दरबार सजाकर महाशृंगार किया गया। माता के भजनों से वातावरण भक्तिमय हो गया और जयकारों से पूरा परिसर गूंज उठा। कार्यक्रम में समिति के सभी सदस्यों ने श्रद्धापूर्वक मंगल पाठ किया। इसके बाद मां भगवती की आरती की गई और श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। आयोजन में समिति के वरिष्ठजनों एवं महिलाओं का विशेष योगदान रहा। समिति के वरिष्ठ सदस्यों विमल गर्ग, अनिल गर्ग, प्रमोद खंडेलवाल, राजेश सिंघल, राजेंद्र गर्ग, विनोद खंडेलवाल, ब्रजेश खंडेलवाल एवं आर.के. खंडेलवाल सहित अन्य सदस्यों का आयोजन में सहयोग रहा। समिति के सानिध्य में नवरात्रि के नौ दिनों तक मंगल पाठ आयोजित किए जाते हैं, जिनमें श्रद्धालु बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं।

नवमी पर मंगल पाठ के साथ होगा कन्या भोज

नवरात्रि के क्रम में आज नवम मंगल पाठ का आयोजन राजेश सिंघल के निवास, प्रीति अपार्टमेंट के सामने, माथुर कॉलोनी में किया जाएगा। इस अवसर पर मां भगवती की आराधना के साथ कन्या भोज का आयोजन भी होगा। कन्या भोज के साथ नवरात्रि के नौ दिवसीय मंगल पाठ का समापन किया जाएगा।

रामलीला के 13वें दिन हुआ अंगद-रावण संवाद का प्रभावशाली मंचन

अंगद का पैर नहीं हिला सके लंका के महाबली योद्धा

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुना



सार्वजनिक श्री रामलीला एवं दशहरा पर्व समिति के तत्वावधान में पुरानी गल्ला मंडी प्रांगण में आयोजित पारंपरिक रामलीला के 13वें दिवस पर अंगद-रावण संवाद और अंगद का पांव जमाने की लीला का प्रभावशाली मंचन किया गया। कलाकारों ने अपने सशक्त अभिनय और ओजस्वी संवादों के माध्यम से दर्शकों को रामायण के उस प्रसंग से रूबरू कराया, जिसमें भगवान श्रीराम की ओर से युद्ध टालने का अंतिम प्रयास किया जाता है, लेकिन रावण के अहंकार के कारण शांति की सभी संभावनाएं समाप्त हो जाती हैं। लीला के दौरान दर्शक भावविभोर नजर आए और कलाकारों के संवादों पर जमकर तालियां बजीं। रामलीला के प्रसंग के अनुसार, लंका में माता सीता को रावण के बंधन से मुक्त कराने और युद्ध को टालने के उद्देश्य से भगवान श्रीराम अपने मंत्रियों के साथ विचार-विमर्श करते हैं। इसके बाद वे युवराज अंगद को शांतिदूत बनाकर लंका भेजते हैं, ताकि रावण को समझाकर माता सीता को सम्मानपूर्वक वापस लाया जा सके और संभावित युद्ध को रोका जा सके।

भगवान श्रीराम का संदेश लेकर अंगद रावण के राजदरबार में पहुंचते हैं। वहां वे अपनी वाकपटुता, निर्भीकता और तर्कपूर्ण संवादों से रावण को समझाने का प्रयास करते हैं। अंगद रावण को उसके अहंकार और अनुचित आचरण के परिणामों से अवगत कराते हुए भगवान श्रीराम की शरण में आने तथा माता सीता को ससम्मान लौटाने की सलाह देते हैं। हालांकि, सत्ता और शक्ति के मद में चूर रावण अंगद की बातों को गंभीरता से लेने के बजाय अपने बल और पराक्रम का प्रदर्शन करने लगता है। रावण का अहंकार उसके विवेक पर हावी हो जाता है और वह शांति के प्रस्ताव को अस्वीकार कर देता है। लीला का सबसे रोमांचक प्रसंग उस समय सामने आया, जब रावण अपने बल का दंभ भरते हुए कैलाश पर्वत उठाने की बात करता है। रावण के अहंकार को चुनौती देते हुए अंगद लंका के राजदरबार में अपना पैर जमा देते हैं और घोषणा करते हैं कि यदि लंका का कोई भी योद्धा उनका पैर हिला देगा, तो भगवान श्रीराम अपनी सेना सहित वापस लौट जाएंगे। अंगद की चुनौती सुनकर रावण के दरबार में उपस्थित बड़े-बड़े योद्धा आगे आते हैं। वे पूरी ताकत लगाकर अंगद का पैर हिलाने का प्रयास करते हैं, लेकिन सफल नहीं हो पाते। एक के बाद एक योद्धाओं की असफलता से रावण की सभा में निराशा छा जाती है। यह दृश्य दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। अंत में जब स्वयं रावण अंगद का पैर पकड़ने के लिए झुकता है, तब अंगद अपना पैर पीछे खींच लेते हैं।

समाचार संक्षेप

सरस्वती शिशु मंदिर आरोन में भव्य कन्या पूजन एवं कन्या भोज का आयोजन



आरोन। सरस्वती शिशु मंदिर, अशोकनगर रोड आरोन में शनिवार को शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर भव्य कन्या पूजन, महाआरती एवं कन्या भोज का आयोजन किया गया।कार्यक्रम की शुरुआत वंदना के स्थाई विद्यालय प्रांगण में माँ दुर्गा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना एवं महाआरती हुई। विद्यालय के आचार्य परिवार एवं अतिथियों द्वारा कन्याओं का पूजन किया गया। कन्याओं के पैर धोकर, तिलक लगाकर, चुनरी ओढ़ाकर एवं उपहार भेंट कर उनका सम्मान किया गया।इसके पश्चात सभी भैया /बहिनों का भोजन प्रसाद वितरित किया गया। विद्यालय के बच्चों द्वारा माँ दुर्गा के भजन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।कार्यक्रम में समिति अध्यक्ष भगवान शर्मा , सदस्य आशीष रघुवंशी ,मोहन सिंह रघुवंशी ,संजीव साहू , सागर सिंह रघुवंशी विद्यालय प्राचार्य मधुसूदन पंथी एवं समस्त आचार्य परिवार,अभिभावकगण उपस्थित रहे।विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि सरस्वती शिशु मंदिर में प्रत्येक वर्ष नवरात्रि पर कन्या पूजन का आयोजन किया जाता है। इसका उद्देश्य बच्चों में भारतीय संस्कृति, नारी सम्मान एवं सनातन परंपराओं के प्रति श्रद्धा जागृत करना है।कार्यक्रम के अंत में सभी को प्रसाद वितरित किया गया।

विजयादशमी पर मां शीतला माता मंदिर में होगा नगर भंडारा

राघौगढ़। विजयादशमी के पावन पर्व पर प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी मां शीतला माता मंदिर में नगर भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर समिति द्वारा मां शीतला माता का विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर 56 भोग अर्पित किया जाएगा। इसके पश्चात नगर भंडारे का आयोजन होगा। समिति द्वारा नगर के समस्त श्रद्धालुओं एवं नागरिकों को भंडारे में शामिल होकर प्रसादी ग्रहण करने के लिए सादर आमंत्रित किया गया है।

शासकीय महाविद्यालय आरोन में सेवा संकल्प अभियान का समापन

गुना। शासकीय महाविद्यालय आरोन में विगत दिवस 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित सेवा संकल्प अभियान का समापन प्रमाण पत्र वितरण समारोह के साथ किया गया। एक माह तक चले इस अभियान में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न रचनात्मक, सामाजिक एवं जनजागरूकता संबंधी गतिविधियों में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। महाविद्यालय प्राचार्य प्रो एके मुदगल के मार्गदर्शन में अभियान के अंतर्गत विद्यार्थियों ने आशीर्वाद का दिया, मेरे सपनों का भारत, अनकही कहानी, आंगन मिलन, सेवा ज्योति कलश यात्रा, सेवा मेरा योगदान एवं सेवा सेतु अभियान जैसे विभिन्न विषयों पर अपनी प्रस्तुतियाँ दीं। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों में सामाजिक सेवा, राष्ट्र निर्माण, स्वच्छता, रचनात्मकता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक, पोस्टर निर्माण, ग्रीटिंग निर्माण एवं स्वच्छता हेतु श्रमदान जैसी गतिविधियाँ विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं।

1 नवंबर को पिच्छिका परिवर्तन समारोह, 2 नवंबर को मुनि श्री का 12वां दीक्षा दिवस

कर्तापन की भावना छोड़कर आत्मकल्याण की ओर बढ़ें : मुनि श्रमण सागर महाराज

हरिभूमि न्यूज ⏭ राघौगढ़



आचार्य गुरुवर विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य, प्रवचन वाचस्पति, महान तपस्वी, विद्यागुरु कुल गौरव एवं बुंदेली महाकवि मुनि श्रमण सागर जी महाराज ने सोमवार को विद्यासागर सभागार, राघौगढ़ में श्रमण धारा प्रवचनमाला के अंतर्गत "कर्तापन की भावना से कैसे बचें" विषय पर मंगल प्रवचन दिए। मुनि श्री ने कहा कि वर्तमान समय में प्रत्येक व्यक्ति जिस जिम्मेदारी का निर्वहन कर रहा है, उसे मृत्यु पर्यंत तक छोड़ना नहीं चाहता। परिवार में बुजुर्ग हो जाने के बाद भी यह भावना बनी रहती है कि मैं जो कहूंगा, वही होगा। यही कर्तापन की भावना व्यक्ति को मोह और आसक्ति में बांधे रखती है। मुनि श्री ने आचार्य गुरुवर विद्यासागर जी महाराज के गुरु आचार्य ज्ञान सागर जी महाराज का उदाहरण देते हुए बताया कि उन्होंने अपना आचार्य पद विद्यासागर जी महाराज को सौंप दिया था और स्वयं उनके आचार्यत्व में मुनि रहकर शेष जीवन व्यतीत किया। उन्होंने धर्म साधना के माध्यम से आत्मकल्याण का मार्ग अपनाया।
इसी क्रम में मुनि श्री ने एक अन्य उदाहरण देते हुए बताया कि जैन आचार्य देशभूषण जी महाराज ने प्राचीन जैन ग्रंथ 'भूवलय' का हिंदी अनुवाद किया था। इस ग्रंथ में उल्लेख मिलता है कि प्राचीन काल के सुप्रसिद्ध जैन आचार्य वीरसेन स्वामी जी ने लगभग 45 वर्ष की आयु में ही अपने शिष्य को आचार्य पद सौंपकर संघ संचालन की जिम्मेदारी दे दी थी।
मुनि श्री ने कहा कि ये दोनों उदाहरण हमें प्रेरणा देते हैं कि घर-परिवार और संसार के प्रति मोह एवं आसक्ति से विरक्त होने का निर्णय उचित समय पर लेना चाहिए। समय रहते जिम्मेदारियों का हस्तांतरण कर आत्मकल्याण की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। प्रवचन के दौरान मुनि श्री ने दो प्रकार की भावनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पहली भावना हीन भावना है। जब मन में हीनता का भाव आए, तो यह विचार करना चाहिए कि संसार में ऐसे अनेक लोग हैं, जो हमसे भी अधिक अभावों में जीवन व्यतीत कर रहे हैं। दूसरी भावना स्वयं को सबसे बड़ा और श्रेष्ठ समझने की है। ऐसी भावना आने पर व्यक्ति को यह विचार करना चाहिए कि उससे ऊपर भी अनेक लोग हैं और संसार में उससे कहीं अधिक योग्य एवं श्रेष्ठ व्यक्ति मौजूद हैं।

उज्जैन से अयोध्या तक निकलेगी 950 किलोमीटर लंबी पदयात्रा



हरिभूमि न्यूज ⏭ गुना

पूर्व मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह द्वारा सत्य, सद्भाव और सनातन संस्कृति के संरक्षण का संदेश लेकर आगामी 20 अक्टूबर, विजयादशमी के पावन अवसर पर महाकाल की नगरी उज्जैन से सत्य सनातन स्वाभिमान यात्रा का शुभारंभ किया जाएगा। रविवार को नवरात्र की अष्टमी के पावन अवसर पर श्री सिंह ने कन्याओं के हाथों यात्रा के धर्म रथ का विधि-विधान से पूजन-अर्चन कराया। इस दौरान उन्होंने स्वयं भी कन्या पूजन किया और रथ का बारीकी से निरीक्षण किया। लगभग 70 दिनों तक चलने वाली यह करीब 950 किलोमीटर लंबी पदयात्रा मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश के विभिन्न जिलों से होकर गुजरेगी। यात्रा रामराजा सरकार की नगरी ओरछा के रास्ते भगवान श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या पहुंचेगी। निर्धारित मार्ग के अनुसार, यात्रा उज्जैन से प्रारंभ होकर तराना, शाजापुर, सारंगपुर, खुजनेर, राजगढ़, चाचौड़ा, आरोन, अशोकनगर और चंदेरी सहित मध्यप्रदेश के प्रमुख क्षेत्रों से गुजरेगी। इसके बाद उत्तरप्रदेश और बुंदेलखंड के तालबेहट, जेरोन, ओरछा, चिरगांव, उरई, कालपी, कानपुर देहात और लखनऊ देहात होते हुए अयोध्या पहुंचेगी।

कुंभराज नगर की 100 साल पुरानी रामलीला की परंपरा आज भी कायम

हरिभूमि न्यूज ⏭कुंभराज



श्री हनुमान जी रामलीला मंडल द्वारा आयोजित होने वाली ऐतिहासिक रामलीला की तैयारियों का जायजा लेने थाना प्रभारी अमित अग्रवाल मंच पर पहुंचे। उन्होंने रामलीला के पात्रों से मुलाकात कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। साथ ही, 21 अक्टूबर से 5 नवंबर तक आयोजित होने वाली रामलीला के संबंध में मंडल अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल एवं उनकी टीम से जानकारी ली। थाना प्रभारी ने आश्वस्त किया कि रामलीला के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे। कृषि उपज मंडी प्रांगण में आयोजित होने वाली करीब 100 साल पुरानी इस रामलीला का अपना गौरवशाली इतिहास है। यहां के कलाकार अपने सजीव और प्रभावशाली अभिनय से वर्षों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करते आ रहे हैं। समय के साथ मंचन की शैली और संसाधनों में बदलाव आया है, लेकिन रामलीला की गरिमा और परंपरा आज भी बरकरार है।
रामलीला के स्वर्णिम अतीत को याद करते हुए साठ के दशक में भगवान श्रीराम की भूमिका निभाने वाले गोपाल मंदिर के पुजारी कृष्णगोपाल शर्मा बताते हैं कि उस दौर में बिजली की सुविधा नहीं होने के कारण मेंटल वाले गैस लैंप से रोशनी की जाती थी। माइक की जगह भोपू का इस्तेमाल होता था। आज वही रामलीला आधुनिक एलईडी लाइट और अन्य संसाधनों से सुसज्जित मंच पर आयोजित की जा रही है। उस समय ढोलक पर जुम्मन चाचा और रामायण पाठ में रामस्वरूप शर्मा मास्टर की प्रमुख भूमिका रहती थी। वहीं, कवि के रूप में घनश्याम खेड़ापति और रामबल्लभ काबरा अपनी सेवाएं देते थे। रामलीला मंडल के अध्यक्ष के रूप में सरपंच साहब के नाम से विख्यात रामबल्लभ कासट संपूर्ण व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी संभालते थे।

नवरात्रि में भक्तिः अग्रवाल महिला मंडल ने आयोजित किया पारंपरिक गरबा महोत्सव

हरिभूमि न्यूज ⏭ कुंभराज

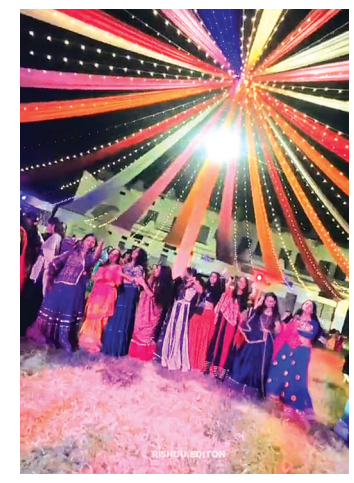

शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर अग्रवाल महिला मंडल द्वारा मल्हार वाटिका में पारंपरिक गरबा महोत्सव का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य धार्मिक एकता, आत्मनिर्भरता और महिला सशक्तीकरण को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम में महिलाओं ने अपनी प्रतिभा और कार्यकुशलता का प्रदर्शन करते हुए स्वावलंबन का संदेश दिया। कार्यक्रम का संयोजन सीमा, मेघा, राधिका और शिवाली अग्रवाल ने किया।
आयोजन का शुभारंभ श्री अग्रसेन महाराज के पूजन-अर्चन के साथ हुआ। इसके बाद गरबा और डांडिया नृत्य के माध्यम से मां जगदंबा की आराधना की गई। महोत्सव में भारतीय संस्कृति, परंपरा और भक्ति की सुंदर झलक देखने को मिली। इसमें सभी समाजों की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। दो दिवसीय इस महोत्सव में पहले दिन पुरुषों ने भाग लिया, जबकि दूसरे दिन पुरुषों और महिलाओं के जोड़ों ने गरबा एवं डांडिया नृत्य की प्रस्तुतियां दीं। प्रतिभागियों ने देर रात तक अपनी कला और प्रतिभा का प्रदर्शन कर माहौल को भक्तिमय और उत्साहपूर्ण बनाए रखा।

नगर में जगह-जगह सजीं मां जगदंबा की झांकियां

शारदीय नवरात्रि के दौरान नगर में अनेक स्थानों पर मां जगदंबा की आकर्षक झांकियां सजाई गईं। इन झांकियों में श्रद्धा, आस्था, उमंग, उल्लास और विश्वास का अनूठा संगम देखने को मिला। जगह-जगह माता रानी के जयकारे गूंजते रहे और श्रद्धालुओं एवं दर्शनार्थियों की भीड़ लगी रही।
देवी मंदिरों में भी भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। पूरा नगर मां के जयकारों और भक्ति के रंग में रंगा नजर आया। नौ दिवसीय इस महापर्व में वाल्मीकि समाज द्वारा स्थापित काली माता की झांकी, साहू मोहल्ले और खारा कुआं की झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। इनके साथ ही नगर में अन्य स्थानों पर सजी झांकियों ने भी अपनी अनुपम छटा बिखेरी। मंडी गेट की झांकी में भजन संध्या, सुंदरकांड पाठ और रामधुन का आयोजन किया गया, वहीं कुछ स्थानों पर नवधा रामायण पाठ की प्रस्तुतियां हुईं। धार्मिक आयोजनों के चलते बाजारों में भी रौनक बनी रही और पूजन सामग्री सहित अन्य धार्मिक वस्तुओं की अच्छी बिक्री देखने को मिली। इस प्रकार शारदीय नवरात्रि के दौरान पूरा नगर मां जगदंबा की भक्ति, आस्था और उल्लास में सराबोर नजर आया।

शाढ़ौरा और ईसागढ़ पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया

सोशल मीडिया पर पुलिस का नाम लेकर अवैध वसूली की मांग के दो मामले आए

हरिभूमि न्यूज ⏭ अशोकनगर



सोशल मीडिया पर पुलिस का नाम लेकर अवैध वसूली की मांग के दो मामले सामने आए हैं। एक मामला शाढ़ौरा का है और दूसरा ईसागढ़ का है। पुलिस ने इन दोनों ही थाना क्षेत्रों के आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

वीडियो हुआ वायरल

17 अक्टूबर को सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें एक व्यक्ति द्वारा थाने का नाम लेकर कथित रूप से अवैध पैसों की मांग करते हुए दिखाई देने की जानकारी प्राप्त हुई। थाना शाढ़ौरा पुलिस द्वारा मामले को तत्काल संज्ञान में लेते हुए वायरल वीडियो की जांच प्रारंभ की गई। जांच के दौरान वीडियो में दिखाई दे रहे व्यक्ति की पहचान अमित पुत्र भरत रजक, उम्र 22 वर्ष, निवासी अमोदा रोड़, शाढ़ौरा के रूप में हुई। प्रकरण में थाना शाढ़ौरा पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

ईसागढ़ पुलिस ने भी पुलिस का नाम लेकर अवैध राशि मांगने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया

17 अक्टूबर को सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें एक व्यक्ति द्वारा पुलिस थाने का नाम लेकर कथित रूप से अवैध राशि की मांग किए जाने संबंधी जानकारी सामने आई। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए थाना ईसागढ़ पुलिस द्वारा तत्काल संज्ञान लेकर वायरल वीडियो की जांच प्रारंभ की गई। जांच के दौरान वीडियो में दिखाई दे रहे व्यक्ति की पहचान कल्याण पिता धीरज सिंह लोधी, उम्र 45 वर्ष, निवासी बहेरिया, जिला अशोकनगर के रूप में हुई। थाना ईसागढ़ पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया गया। मामले में प्रकरण में 59/2026 के अंतर्गत वैधानिक कार्रवाई कर आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।



राजपुर में भजन संध्या के आयोजन ने समां बांधा भक्त झूमते हुए नजर आए

राजपुर। शिव मन्दिर झांकी समिति द्वारा राजपुर में भजन संध्या का आयोजन किया गया। जिसमें गायिका निकिता किशोरी, छोटू शर्मा, संजीव ठाकुर, शिवेन्द्र विपिन शर्मा आदि कलाकारों द्वारा माता के भजनों से इस संध्या को सजाया गया। जिसमें माता के भजनों पर श्रृद्धालु झूमते हुए नजर आए। सर्व प्रथम कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती, गणेश जी, शिव मंदिर के साथ दुर्गा जी को माला अर्पित कर हुई। समिति द्वारा सभी बाहर से पधारें कलाकारों का फूलमाला पहनाकर सम्मानित किया गया। सबसे पहले गणपति जी के भजन से कार्यक्रम का श्री गणेश हुआ। माता रानी के भजन संध्या पर हजारों संख्या में श्रद्धालुओं नाचते-गाते हुए मन मोह लिया। यह कार्यक्रम देर रात्रि तक चलता रहा। वहीं भजन संध्या देखने सुनने वडी संख्या में आस पास के गांवों से भी श्रृद्धालु पहुंचे थे। इन दिनों माता रानी की झांकियों में जगह जगह आयोजन किया जा रहा है गांव की गलियों में चौराहों पर यह नजारा हर रोज देखनें कों मिल रहा है।

विजयादशमी पर्व के अवसर पर शस्त्र पूजन कार्यक्रम का आयोजन

अशोकनगर। आज विजयादशमी (दशहरा) पर्व मनाया जाना है। राज्य शासन द्वारा निर्णय लिया गया है कि प्रदेश में विजयादशमी पर्व पर शस्त्र पूजन कार्यक्रम आयोजित किए जाऐं। उक्त निर्णय के अनुक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों में आयोजित होने वाले शस्त्र पूजन कार्यक्रमों हेतु मुख्य अतिथिगणों को नामांकित किया गया है। जिन जिलों में मुख्य अतिथि नामांकित नहीं हैं, उन जिलों में कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार मिश्रा द्वारा शस्त्र पूजन किया जाएगा। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया जाए। साथ ही, आम नागरिकों को भी अपने-अपने घरों में शत्र पूजन करने हेतु प्रेरित किये जानें के निर्देश दिए गए हैं।
विजयादशमी पर्व के अवसर पर शस्त्र पूजन कार्यक्रम का सुव्यवस्थित एवं गरिमापूर्ण आयोजन सुनिश्चित किया जाएगा।

श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर में 9 कन्याओं का पूजन किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ अशोकनगर



यादव कॉलोनी स्थित श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर पर श्रद्धालुओं द्वारा पुजारी किशन लाल मिश्रा के सानिध्य में नवरात्र महोत्सव के चलते नवम दिवस के अवसर पर नौ कन्याओं का विशेष पूजन किया गया। उनके पैर धुलवाए और उनको चंदन तिलक किया एवं चुनरी भेंट करके आशीर्वाद लिया, गुरु ब्राह्मण को भी साल श्रीफल और माल्यार्पण करके चरण छूकर आशीर्वाद लिया। मार्कंडेय पुराण के अनुसार उन्होंने दुर्गा सप्तशती के कवच अर्गला कीलक एवं देवी सूक्त का पाठ किया श्री सूक्त से पूजन करवाया गया उन्होंने बताया कि नवदुर्गा में मां सिद्धिदात्री अंतिम हैं अन्य आठ दुर्गों की पूजा उपासना का शास्त्रीय विधि विधान के अनुसार पूजन करते हुए भक्त दुर्गा पूजा के नवे दिन इनकी उपासना में लीन हो जाते हैं पूर्ण उपासना कर लेने के बाद भक्तों और साधकों को लौकिक और पर लोकिक सभी प्रकार की कामनाओं की पूर्ति हो जाती है मा सिद्धीदात्री चारभुजा वाली है इनका वाहन सिंह है नवरात्रि में नवें दिन इनकी उपासना की जाती है इस दिन शास्त्रीय विधि विधान और पूर्ण निष्ठा के साथ साधना करने वाले साधक को सभी सिधियो की प्राप्ति हो जाती है सृष्टि में कुछ भी उसके लिए शेष नहीं रह जाता ब्रह्मांड पर विजय प्राप्त करने की सामर्थ उसमें आ जाती है।

ऐतिहासिक चंदेरी में मां जागेश्वरी शक्तिपीठ पर धूमधाम से संपन्न हुई महाआरती

माता जागेश्वरी के जयकारों से गूंजा मंदिर परिसर

हरिभूमि न्यूज ⏭ चंदेरी



शक्ति की भक्ति और नौ दिनों की कठिन साधना के बाद, चंदेरी के ऐतिहासिक व धार्मिक तीर्थ स्थल जगत जननी मां जागेश्वरी माता मंदिर पर सोमवार की शाम एक भव्य और अलौकिक महाआरती के साथ चैत्र/शारदीय नवरात्रि पर्व का ऐतिहासिक समापन हुआ। इस पावन अवसर पर माता के दर्शन और महाआरती में शामिल होने के लिए दूर-दूर से हजारों श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा।

महाआरती की प्राचीन परंपरा और विशेष महत्व

चंदेरी की यह महाआरती केवल एक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सदियों पुरानी परंपरा का जीवंत प्रतीक है। ऐतिहासिक पृष्ठभूमि मान्यताओं के अनुसार, सैकड़ों वर्ष पूर्व क्षेत्र में जब हैजा (महामारी) जैसी भयंकर बीमारी फैली थी, तब इस महामारी से मुक्ति और क्षेत्र की रक्षा के लिए मां जागेश्वरी के दरबार में इस महाआरती की शुरुआत की गई थी। तब से लेकर आज तक क्षेत्र की सुख, शांति और समृद्धि के लिए यह परंपरा अनवरत चली आ रही है। विशेष अनुष्ठान महाआरती का वजन लगभग 11 किलो होता है, जिसमें शुद्ध 5 किलो घी का विशेष रूप से उपयोग किया जाता है। चोला और प्रसाद अर्पण, महाआरती संपन्न होने से पूर्व चंदेरी क्षेत्र के तमाम प्रमुख मंदिरों और स्थानों पर स्थित देवी-देवताओं को चोला व प्रसाद अर्पित किया जाता है, जिसके बाद ही मुख्य मंदिर में महाआरती स्वीकार होती है। मनोकामनाएं होती हैं पूर्णताः ऐसा अटूट विश्वास है कि नवरात्रि की इस अंतिम महाआरती में जो भी श्रद्धालु सच्चे मन से शामिल होता है और मां जगदंबे के दर्शन करता है, उसकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

चाक-चौबंद रही सुरक्षा व्यवस्था पुलिस प्रशासन ने संभाली कमान

विशाल जनसमूह और मेलों के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्थानीय पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। अशोकनगर पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार मिश्रा के कुशल निर्देशन और चंदेरी एसडीओपी महेश शर्मा के मार्गदर्शन में, चंदेरी थाना प्रभारी प्रशांत यादव ने सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए। थाना प्रभारी ने अपनी पूरी टीम के साथ मुस्तैदी से कमान संभाली, जिसके चलते मेला और महाआरती का यह पूरा पर्व पूरी तरह शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। प्रशासन के बेहतरीन तालमेल और सुरक्षा प्रबंधों की शहरभर में सराहना हो रही है।

माँ जागेश्वरी के जयकारों से गूंज उठा पूरा चंदेरी क्षेत्र

महाआरती के दौरान पूरा मंदिर परिसर और चंदेरी शहर माता जागेश्वरी की जय के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। हर आंख माता की एक झलक पाने को आतुर थी और पूरा वातावरण भक्तिमय रंग में सराबोर नजर आया।

नगर भ्रमण कर झांकी पंडालों में पहुंचे गौ रक्षक टीम एवं माता रानी के भक्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ ईसागढ़



नगर में नवरात्रि के पावन अवसर पर धार्मिक आस्था, श्रद्धा और भक्ति का माहौल देखने को मिला। इसी क्रम में गौ रक्षक टीम एवं माता रानी के भक्तों द्वारा नगर भ्रमण किया गया। इस दौरान नगर के विभिन्न स्थानों पर सजाए गए झांकी पंडालों में पहुंचकर समिति के सदस्यों ने माता रानी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की तथा चुनरी अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया।
नगर भ्रमण के दौरान गौ रक्षक टीम के सदस्यों एवं माता रानी के भक्तों ने नगर के अलग-अलग क्षेत्रों में स्थापित झांकी पंडालों में पहुंचकर माता रानी के दर्शन किए। प्रत्येक पंडाल में श्रद्धापूर्वक पूजन-अर्चन कर चुनरी चढ़ाई गई। श्रद्धालुओं ने माता रानी से नगर में सुख-समृद्धि, शांति, खुशहाली और सभी नागरिकों के कल्याण की कामना की।

धार्मिक आस्था और सामाजिक एकता का दिया संदेश

इस आयोजन के माध्यम से गौ रक्षक टीम एवं माता रानी के भक्तों ने धार्मिक परंपराओं के प्रति अपनी आस्था प्रकट की। नगर भ्रमण के दौरान विभिन्न झांकी पंडालों में पहुंचकर पूजा-अर्चना करना धार्मिक एकता और आपसी सद्भाव का प्रतीक रहा। नगर भ्रमण एवं पूजा-अर्चना के दौरान गौ रक्षक टीम और माता रानी के भक्तों में राहुल शर्मा, अंकित राठौर, दीपक जाट, अमन, कुलदीप, नीरज, विकास, अर्जुन और अंकित सहित अन्य सदस्य शामिल रहे। सभी ने नगर के विभिन्न झांकी पंडालों में पहुंचकर माता रानी के दर्शन किए तथा विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर चुनरी चढ़ाई।

युवा उत्सव कार्यक्रम 28 अक्टूबर 2026 को

अशोकनगर। संचालनालय खेल और युवा कल्याण विभाग के निर्देशानुसार 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं की प्रतिभा को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से जिला स्तरीय सांस्कृतिक युवा उत्सव-2026 का आयोजन किया जा रहा है। जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन दिनाक 28 अक्टूबर 2026 को रघुवंशी धर्मशाला वायपास रोड अशोकनगर में किया जावेगा। खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी द्वारा जानकारी दी गई कि, जिला स्तर पर यह आयोजन 05 विधाओं 1. समूह लोकनृत्य, 5. समूह लोकगीत, 3. पेंटिंग 4. कविता लेखन, एवं 5. नुक्कड नाटक की विद्याओं में संचालनालय से प्रदत्त गाईड लाईन अनुसार किया जाना है। वह युवा जिनकी आयु 15 से 29 वर्ष (17 अगस्त 2026 की स्थिति में) हो इस आयोजन में सहभागिता कर सकते हैं इस हेतु आवेदक को माय भारत पोर्टल उलझींतंजण्हवअण्पद पर ऑनलाईन पंजीयन एवं ऑफलाईन आवेदन पत्र में जन्म प्रमाण पत्र/10 वीं अंकसूची, आधार कार्ड, 01 पासपोर्ट फोटो आदि संलग्न कर आयोजन से पूर्व कार्यालय में जमा कराकर भाग ले सकेंगे। संस्था को अपने प्रतिभागियों की सूची समस्त आवेदनों एवं आवश्यक दस्तावेजों सहित कार्यालय खेल एवं युवा कल्याण विभाग में आयोजन से पूर्व जमा कराना आवश्यक होगी। एक प्रतिभागी केवल 01 विद्या में भाग ले सकते हैं जिला स्तर पर विजेता प्रतिभागियों को संभाग और संभाग पर विजेता प्रतिभागियों को राज्य स्तर पर प्रतिभागिता हेतु भेजा जाएग।

यहां प्रतिदिन की जाती है पूजा, विजयादशमी पर भी पहुंचते हैं बड़ी संख्या में श्रद्धालु

चंदेरी में लंकाधिपति रावण का दुर्लभ मंदिर, राम-लक्ष्मण व हनुमान रामसेतु का निर्माण करते हुए हैं विराजमान

हरिभूमि न्यूज ⏭ अशोकनगर



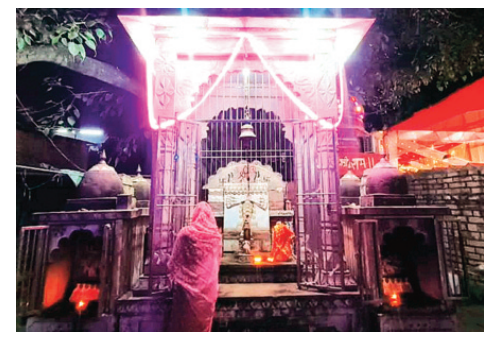

जिला मुख्यालय से 65 किलोमीटर दूर चंदेरी मुख्यालय पर वैसे तो दशहरा पर्व मनाया जाता है लेकिन दशहरा पर्व मनाने के दौरान एक ओर रावण का दहन किया जाता है तो दूसरी ओर रावण की पूजा भी की जाती है। चंदेरी में लंकाधिपति रावण का मंदिर भी यहां पुजारी द्वारा पूजा की जाती है और दशहरा पर्व पर रावण को पूजा जाता है। इस मंदिर में रावण के दस सिर दिखाए दे रहे हैं, इस अनूठे मंदिर का निर्माण चंदेरी के सेवानिवृत शिक्षक पंडित वीरेन्द्र नारायण मिश्रा ने कराया है, यह मंदिर उनकी जमीन पर ही बनाया गया है। मंदिर की विशेषताओं में यह है कि मुख्य भाग में रावण की भव्य प्रतिमा है, मंदिर परिसर में रामसेतु के निर्माण से पहले भगवान राम लक्ष्मण और हनुमान जी द्वारा शिव की पूजा करने का चित्रण भी इन मूर्तियों के माध्यम से दिखाया गया है।

लंकाधिपति रावण के मंदिर वैसे तो कहीं देखने नहीं मिलते लेकिन चंदेरी में उनका मंदिर है, यह 5 साल पहले ही बना है, तब से ही रावण की यहां पूजा की जाती है। रावण को महाज्ञानी माना जाता है इसीलिए दशहरा पर्व पर पुतलों का दहन होने से पहले रावण के पुतले को पूजा जाता है, चंदेरी में स्थायी रूप से रावण का मंदिर है।

यहाँ लंकापति रावण का भव्य मंदिर तो है ही, साथ ही भगवान राम, लक्ष्मण और हनुमानजी द्वारा राम सेतु निर्माण से पहले भगवान शिव की पूजा-अर्चना करते हुए बेहद दुर्लभ दृश्य की प्रतिमाएँ भी स्थापित हैं। विजयदशमी के पावन पर्व पर इस मंदिर की महत्ता और भी बढ़ जाती है, क्योंकि यहाँ रावण दहन की परंपरा के विपरीत विशेष रूप से रावण की पूजा-अर्चना की जाती है।

बेटे की याद और पेंशन के पैसों से खड़ा किया भव्य मंदिर

इस अनूठे मंदिर का निर्माण चंदेरी के 84 वर्षीय सेवानिवृत्त शिक्षक पं. वीरेंद्र नारायण मिश्रा ने कराया है। उन्होंने शहर के मुख्य मार्ग स्थित दिल्ली दरवाजा चैराहे पर अपनी खुद की जमीन पर इस भव्य मंदिर को बनवाया है। शिक्षक वीरेंद्र नारायण मिश्रा बताते हैं कि उन्होंने अपने बेटे की याद में साल 2001 में इस मंदिर की नींव रखी थी। इस मंदिर को बनवाने में उनकी जीवनभर की कमाई और पेंशन के तौर पर मिलने वाली राशि खर्च हो गई, जिस पर अब तक लगभग 1 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं। पूरी तरह पत्थरों से निर्मित यह मंदिर अपनी बेहतरीन नक्काशी और भव्यता के कारण शहर के बीचों-बीच एक प्रमुख दर्शनीय स्थल बन गया है।

मंदिर की प्रमुख विशेषताएँ। दशिसंयुक्त रावण प्रतिमा, मंदिर के मुख्य भाग में रावण की भव्य प्रतिमा स्थापित है, जिसके 10 सिर सुसज्जित हैं। कल विजयदशमी के दिन पं. वीरेंद्र नारायण मिश्रा इसी रावण की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करेंगे।

सभी वर्गों की है गहरी आस्था

पं. वीरेंद्र नारायण मिश्रा का यह मंदिर किसी एक संप्रदाय या वर्ग तक सीमित नहीं है, बल्कि यहाँ सभी वर्ग के लोगों की गहरी आस्था जुड़ी हुई है। शहरवासी और दूर-दूर से आने वाले पर्यटक इस मंदिर की अनूठी परिकल्पना और इसके पीछे के भाव को देखने जरूर पहुँचते हैं। विजयदशमी के इस खास मौके पर जहाँ पूरे देश में असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक रावण दहन किया जाएगा, वहीं चंदेरी का यह मंदिर रावण के ज्ञानी स्वरूप और ऐतिहासिक प्रसंगों की एक अलग ही दास्तां बयां करता नजर आएगा।

मुंगावली में दशहरा पर्व पर नहीं होता रावण का दहन

जिले में मुंगावली कस्बे में विजयादशमी का पर्व तो शुभकामनाएं देकर मनाया जाता है लेकिन यहां रावण के पुतलों का दहन नहीं होता, यहां इस तरह की कोई स्थायी परंपरा नहीं है। मुंगावली एक ऐसा जिले में कस्बा है जहां इस तरह का आयोजन विजयदशमी पर देखने नहीं मिलता।

दादा परदादा के समय से विजयादशमी पर होती थी घोड़े की पूजा

जिले के मलावनी गांव के पूर्व सरपंच सुरेन्द्र सिंह रघुवंशी ने बताया कि उनके घर पर दादा परदादा के समय से घोड़े की पूजा विजयादशमी पर की जाती थी, उन्होंने भी लगातार पूजा की है। लेकिन अब घोड़ा घरों पर नहीं रहे जिसके कारण यह प्रथा बंद हो गई है। उन्होंने बताया कि घोड़े की पूजा इसलिए करते थे क्योंकि घोड़ा राज चिन्हों में आता है। जिस तरह राजशाही घरानों द्वारा शस्त्रों की पूजा की जाती है, उसी तरह घोड़ों की पूजा भी उनके यहां होती रही है।

मुस्लिम परिवार पहले खुद ही पैसे लगाकर पुतला बनाते थे

ईसागढ़ में एक ऐसा परिवार है जो 100 वर्षों से रावण के पुतलों का निर्माण कर रहा है, यह मुस्लिम परिवार है। पहले यह खुद ही पैसा लगाते थे, लेकिन जब से ईसागढ नगरपरिषद का गठन हुआ है, तब से नगरपरिषद कराने में लगी है। स्थानीय निवासी नन्हे खां पुत्र हसन खां पिछले 21 वर्षों से लगातार रावण का पुतला बना रहे हैं। नन्हे खां ने बताया कि उनसे पहले उनके चाचा सहादत खां करीब 30 वर्षों तक रावण बनाते रहे। वहीं, उससे पहले उनके दादा मेहताव खां करीब 50 वर्षों तक रावण का पुतला बनाते थे। इस तरह उनके परिवार में करीब एक सदी से रावण बनाने की परंपरा लगातार चली आ रही है। पीढ़ियां बदलीं, लेकिन परंपरा नहीं बदली। इस बार भी इसी परिवार के हाथों तैयार 31 फीट का रावण विजयादशमी पर बुराई के प्रतीक के रूप में दहन किया जाएगा। नगर परिषद अध्यक्ष शिवेन्द्र यादव ने बताया कि इस वर्ष भी ईसागढ़ में 31 फुट ऊंचे रावण का दहन किया जाएगा। भगवान श्रीराम की आकर्षक झांकी निकाली जाएगी।

श्रद्धालुओं ने किया कन्या पूजन व भोज

पिपरई में नवमी पर मां खेड़ापतन मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब

नौ दिनों तक भजन-पूजन से भक्तिमय रहा वातावरण



पिपरई। नगर में शारदीय नवरात्रि का पर्व श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। नवरात्रि के अंतिम दिन नवमी के पावन अवसर पर नगर के बीचों-बीच स्थित मां खेड़ापतन मातामढ़ मंदिर में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही मंदिर में दर्शन-पूजन के लिए श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। नगरवासियों ने मां के दरबार में पहुंचकर पूजा-अर्चना की और परिवार की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

नवरात्रि के प्रथम दिन से ही मां खेड़ापतन मंदिर में धार्मिक उत्साह का माहौल बना हुआ था। नौ दिनों तक महिलाओं सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंचकर भजन-कीर्तन, पूजन और आराधना में भाग लिया। पूरे नौ दिनों तक मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा। मां के जयकारों और भक्ति गीतों से वातावरण गुंजायमान होता रहा।

श्रद्धा और भक्ति से सराबोर रहा नगर नवरात्रि के नौ दिनों तक चले धार्मिक आयोजनों का समापन नवमी पर विशेष पूजा-अर्चना और कन्या पूजन के साथ हुआ। मां खेड़ापतन मातामढ़ मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ ने नगर की धार्मिक आस्था और परंपराओं के प्रति लोगों की गहरी श्रद्धा को प्रदर्शित किया।

नवमी पर हुआ कन्या पूजन और भोज

नवमी के पावन अवसर पर श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से मां दुर्गा की पूजा-अर्चना की। इसके साथ ही नगर के अनेक श्रद्धालुओं ने अपनी श्रद्धा के अनुसार कन्याओं का पूजन किया तथा उन्हें भोजन कराकर आशीवांद प्राप्त किया। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार नवरात्रि में कन्या पूजन का विशेष महत्व है। इसी परंपरा का निर्वहन करते हुए भक्तों ने कन्याओं को देवी स्वरूप मानकर उनका सम्मान किया। मंदिर परिसर में दिनभर श्रद्धालुओं की चहल-पहल बनी रही। हर ओर भक्ति, श्रद्धा और उल्लास का वातावरण दिखाई दिया। महिलाओं और पुरुषों ने मां के दर्शन कर सुख, शांति, समृद्धि तथा परिवार की मंगलकामना की।

अखंड रघुवंशी क्षत्रिय परिषद द्वारा आज होगा शस्त्र पूजन का आयोजन

अशोकनगर। अखिल भारतीय अखंड रघुवंशी क्षत्रिय परिषद के तत्वाधान में गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी विजयोत्सव-2 के रूप में 17 अक्टूबर से 23 अक्टूबर तक मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों में 28 स्थानों पर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ सामूहिक रूप से शस्त्र पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। जिला अशोकनगर में विजयादशमी पर्व पर आगामी 20 अक्टूबर को स्थानीय रघुवंशी धर्मशाला अशोकनगर में दोपहर 12.30 बजे से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ शस्त्र पूजन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। साथ ही इस वर्ष अशोकनगर में शस्त्र पूजन के पश्चात यूजीसी रेगुलेशन 2026 के प्रस्ताव में जो सामाजिक असमानता की नीतियाँ है,जिनसे शैक्षणिक संस्थाओं में सामाजिक सद्भाव का असंतुलित होने की संभावना बढ़ सकती है उनके विरोध स्वरूप 11 फिट का रावण दहन भी किया जा रहा है। शस्त्र और शास्त्र, दोनों ही हमारे जीवन की रक्षा और उत्थान के लिए आवश्यक हैं। इस पावन पर्व पर आप और हम सामूहिक रूप से शस्त्र पूजन कर शौर्य और ज्ञान की आराधना करेगें। शस्त्र पूजन का यह पावन पर्व आपके जीवन में साहस, वीरता और नई ऊर्जा का संचार करे। इसी मंगलकामना को लेकर इस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। आइए इस विजयादशमी पर हम अपने जीवन में सकारात्मक ऊर्जा को आत्मसात करने का संकल्प लें और शस्त्र पूजन कार्यक्रम के साक्षी बनें।

70 लीटर हाथ भट्टी शराब के साथ आरोपी को दबोचा

हरिभूमि न्यूज ⏭ अशोकनगर



अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंतर सिंह कनेश एवं एसडीओपी मुंगावली ओमप्रकाश मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना पिपरई पुलिस द्वारा अवैध शराब के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 70 लीटर हाथ भट्टी की कच्ची शराब एवं मोटरसाइकिल सहित एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

18 अक्टूबर को रात्रि गश्त के दौरान थाना पिपरई पुलिस को राधाकृष्ण मंदिर के पास विश्वसनीय मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम मारोन निवासी गजराम अहिरवार काले रंग की प्लेटिना मोटरसाइकिल पर दो नीले रंग की कैनों में अवैध हाथ भट्टी की कच्ची शराब भरकर ग्राम सिलावन की ओर से केशोपुर की तरफ बिक्री हेतु ले जा रहा है। सूचना की तस्दीक एवं कार्रवाई हेतु पुलिस टीम द्वारा तत्काल ग्राम सिलावन रोड़ स्थित केशोपुर पुलिया के पास नाकाबंदी की गई। कुछ समय पश्चात मुखबिर द्वारा बताए गए हुलिए के अनुसार एक मोटरसाइकिल आती दिखाई दी, जिसे पुलिस टीम एवं साक्षियों की सहायता से रोका एवं उसकी तलाशी ली गई।

तलाशी के दौरान मोटरसाइकिल के दोनों ओर सफेद तौलिया से बंधी दो नीले रंग की प्लास्टिक कैन मिलीं। जांच करने पर दोनों कैनों में हाथ भट्टी से निर्मित कच्ची शराब होना पाया गया। पुलिस द्वारा दोनों कैनों से कुल 70 लीटर अवैध कच्ची शराब, अनुमानित कीमत 10,500 तथा काले रंग की प्लेटिना मोटरसाइकिल जप्त की गई। आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 261/26, धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया तथा आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष जेआर पर पेश किया गया।

निर्माण तो व्यक्ति ने कई बार किया है लेकिन निर्वाण को प्राप्त नहीं हो पायाः मुनिश्री



हरिभूमि न्यूज ⏭ अशोकनगर

मुनि श्री निरंजन सागर जी महाराज ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज प्रत्येक व्यक्ति किसी न किसी प्रकार से कुछ न कुछ निर्माण कर ही रहा है और इस निर्माण के लिये वह अपनी श्रेष्ठतम उपलब्धि मान रहा है। बल्कि ऐसा और इस प्रकार या इससे भी अच्छा निर्माण तो उसने कई बार किया है। परन्तु निर्वाण नहीं हो पाया है और बगैर मान से रहित हुये कोई भी अपना निर्वाण नहीं कर सकता है।

उन्होंने कहा कि मृत्यु और निर्वाण में अन्तर होता है। मृत्यु उसे कहते है जिसके बाद जन्म धारण करना पड़े और निर्वाण उसे कहते है जिसके होने पर फिर जन्म धारण न करना पड़े। आचार्य ने जन्म, जरा और मृत्यु को सबसे बड़ा रोग कहा है। इस रोग से मुक्ति मात्र निर्वाण से ही सम्भव है। प्रभु शीतलनाथ ने इस संसार को तल अर्थात सार को समझ लिया था और इस संसार के सार में प्रभु को कुछ भी सार न दिखा। इसलिये आज ही के दिन प्रभु ने सिद्धक्षेत्र सम्मेद शिखर जी से निर्वाण को प्राप्त किया। आचार्य समन्तभद्र स्वामी ने स्वयंभू स्तोत्र में लिखा है जो शीतलता आपके वचनों में है वह शीतलता जगत के किसी भी पदार्थ में नहीं है। आपके वचनों के माध्यम से संसारी प्राणी विषय सुख से संतप्त अग्नि को ज्ञानामृत जल के द्वारा शान्त करता है।

मां दुर्गा प्रतिमा विसर्जन व दशहरा पर्व को लेकर यातायात व्यवस्था बदली

हरिभूमि न्यूज ⏭ अशोकनगर



दशहरा पर्व एवं मां दुर्गा प्रतिमा विसर्जन पर्व को दृष्टिगत रखते हुए अशोकनगर शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने, आमजन की सुविधा तथा पर्व के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यातायात पुलिस द्वारा विशेष व्यवस्था की गई है। इसके अंतर्गत कुछ मार्गों पर भारी एवं मध्यम वाहनों सहित अन्य वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध लगाया गया है तथा वैकल्पिक मार्ग एवं पार्किंग स्थल निर्धारित किए गए हैं।

खास बातें

- सेन तिराहा एवं एचडीएफसी तिराहा- इन स्थानों से शहर की ओर सभी भारी व मध्यम वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।
- बायपास रोड, राजमाता चैराहा एवं सेन तिराहा से दुर्गा प्रतिमाओं के आवागमन के दौरान भारी एवं मध्यम वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा।
- मिलन तिराहा व हाथी दरवाजा से गांधी पार्क एवं इंदिरा पार्क की ओर सभी प्रकार के लोडिंग वाहन प्रतिबंधित रहेंगे।
- विसर्जन के दौरान सेन तिराहा, विदिशा तिराहा, गांधी पार्क एवं स्टेशन रोड पर भारी, मध्यम, लोडिंग आदि वाहनों का परिवहन प्रतिबंधित रहेगा।
- दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान पछाड़ीखेड़ा से एफओबी के माध्यम से गांधी पार्क की ओर जाने वाले मध्यम व भारी वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा।

पुलिस अधीक्षक की ओर से आमजन से अपील

पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार मिश्रा द्वारा आमजन, श्रद्धालुओं एवं समस्त वाहन चालकों से अपील की गई है कि मां दुर्गा प्रतिमा विसर्जन एवं दशहरा पर्व के दौरान निर्धारित यातायात प्रतिबंधों, वैकल्पिक मार्गों एवं पार्किंग व्यवस्था का पालन करें। यातायात व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करें तथा असुविधा से बचने के लिए निर्धारित मार्गों का ही उपयोग करें। पर्व के दौरान अनावश्यक रूप से प्रतिबंधित मार्गों पर वाहन न ले जाएं और ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के निर्देशों का पालन करें, ताकि त्योहार शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।

वैकल्पिक मार्ग एवं निकासी व्यवस्था

- दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान सुभाषगंज, अस्पताल एवं रेलवे स्टेशन की ओर जाने हेतु कार चालक - पठार-सुराना चैराहा- इंदिरा पार्क-भिलाला मील रोड मार्ग का उपयोग किया जा सकेगा।
- दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के उपरांत वापसी हेतु ट्रैक्टर, लोडिंग वाहन, ट्रॉली एवं ट्रक वेयरहाउस के बगल से करबला होते हुए देहात थाना रोड़ की ओर वापस जाएंगे।
- दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान राजमाता चैराहा से नया बस स्टैंड एवं विदिशा रोड की ओर जाने हेतु चार पहिया, ऑटो एवं दोपहिया वाहन राजमाता-अस्पताल तिराहा-अंडरपास-मिलन तिराहा मार्ग से आवागमन कर सकेंगे।
- नया बस स्टैंड से राजमाता चैराहा की ओर जाने हेतु दोपहिया, तीन पहिया एवं चार पहिया वाहन राजश्री होटल के बगल से दुबे कॉलोनी-स्वराज एजेंसी-अस्पताल तिराहा-कलेक्ट्रेट रोड मार्ग का उपयोग कर सकेंगे।

निर्धारित पार्किंग स्थल

- आमजन एवं वाहन चालकों की सुविधा के लिए निम्नलिखित पार्किंग स्थल निर्धारित किए गए हैं।
- पुरानी मंडी परिसर पार्किंग ट्रैक्टर ट्रॉली, लोडिंग वाहन, ट्रक एवं अन्य मालवाहक वाहनों के लिए एचडीएफसी तिराहे से बाजार की ओर प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। ऐसे वाहन पुरानी मंडी परिसर में पार्क किए जाएंगे तथा चालक पैदल बाजार की ओर जाएंगे।
- मिलन तिराहा पेट्रोल पंप के पास पार्किंग विदिशा रोड व ईसागढ़ रोड से आने वाले दोपहिया, ऑटो, ट्रैक्टर व निजी कार चालक अपने वाहन मिलन तिराहा पेट्रोल पंप के पास ग्राउंड में पार्क कर पैदल बाजार की ओर जाएंगे।
- सुभाषगंज व रेलवे स्टेशन पार्किंग वैकल्पिक मार्ग से आने वाले तीन पहिया व चार पहिया वाहन, रेलवे स्टेशन एवं सुभाषगंज में अपने वाहन पार्क कर सकेंगे।
- पुराना रेस्ट हाउस- शहर की ओर आने वाले दोपहिया वाहन चालक अपने वाहन पुराने रेस्ट हाउस में पार्क कर सकेंगे ।

लक्ष्मण-मेघनाद युद्ध और संजीवनी प्रसंग का भी हुआ मंचन

रामलीला में अंगद-रावण संवाद का हुआ मंचन

हरिभूमि न्यूज ⏭ अशोकनगर

स्थानीय सुभाषगंज स्थित रामलीला मंच पर श्री गया प्रसाद कलाकार मंडल द्वारा आयोजित रामलीला के 13वें दिन की लीला का मंचन रात्रि 9 बजे प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ रामायण, भगवान गणेश,भगवान श्रीराम-लक्ष्मण एवं हनुमान जी की आरती के साथ हुआ। आरती रामकिसन साहू, मुकेश साहू एवं उनके साथियों द्वारा की गई।

अंगद-रावण संवाद ने दर्शकों में भरा उत्साह

लीला के प्रथम दृश्य में भगवान श्रीराम जामवंत की सलाह पर अंगद को दूत बनाकर रावण के पास भेजते हैं। अंगद राम नाम का जयकारा लगाते हुए लंका पहुंचते हैं और रावण को माता सीता को सम्मानपूर्वक लौटाने तथा भगवान श्रीराम की शरण में आने की सलाह देते हैं, लेकिन अहंकार में डूबा रावण उनकी बात मानने से इनकार कर देता है। इसके बाद अंगद रावण की सभा में अपना पैर जमा देते हैं और चुनौती देते हैं कि यदि उसकी सेना का कोई भी योद्धा उनका पैर हिला दे,तो श्रीराम की सेना सीता माता को हारकर वापस लौट जाएगी। रावण की सभा में उपस्थित अनेक योद्धा पैर उठाने का प्रयास करते हैं, लेकिन कोई सफल नहीं होता। अंत में स्वयं रावण आगे बढ़ता है, तब अंगद उसे समझाते हैं कि उनके पैर पकड़ने के बजाय भगवान श्रीराम के चरणों में झुकने से उसका कल्याण हो सकता है।

अंगद-रावण संवाद के दौरान कलाकारों के प्रभावशाली अभिनय और जोशीले संवादों ने दर्शकों को खूब आकर्षित किया। इसके बाद अंगद वापस भगवान श्रीराम के पास पहुंचकर रावण के हठ की जानकारी देते हैं। भगवान श्रीराम युद्ध की तैयारी का आदेश देते हैं और वानर-भालू सेना जयकारे लगाते हुए लंका की ओर प्रस्थान करती है।

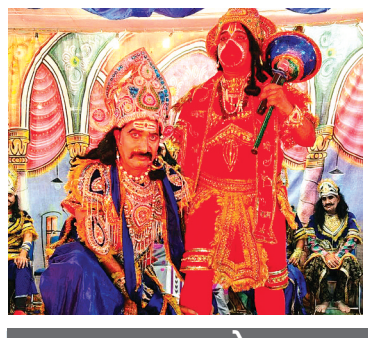



लक्ष्मण-मेघनाद युद्ध का हुआ शानदार मंचन

अगले दृश्य में लक्ष्मण और मेघनाद के बीच भीषण युद्ध का मंचन किया गया। युद्ध के दौरान मेघनाद द्वारा शक्ति प्रहार किए जाने से लक्ष्मण जी मूर्छित हो जाते हैं। लक्ष्मण जी को मूर्छित देखकर भगवान श्रीराम व्याकुल हो उठते हैं और उन्हें गोद में लेकर विलाप करते हैं। इस भावुक दृश्य ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। इसके बाद विभीषण की सलाह पर हनुमान जी लंका से वैद्य सुषेण को लेकर आते हैं। वैद्य सुषेण लक्ष्मण जी की स्थिति देखकर बताते हैं कि हिमालय से संजीवनी बूटी लाने पर ही उनके प्राण बचाए जा सकते हैं। वे यह भी बताते हैं कि बूटी रात समाप्त होने से पहले लानी होगी। भगवान श्रीराम की आज्ञा लेकर हनुमान जी संजीवनी बूटी की तलाश में निकल पड़ते हैं। रास्ते में रावण द्वारा भेजे गए कालनेमि से उनका सामना होता है। कालनेमि के षड्यंत्र को विफल करते हुए हनुमान जी हिमालय पहुंचते हैं। वहां अनेक जड़ी-बूटियों के बीच संजीवनी बूटी की पहचान न कर पाने पर वे पूरा पर्वत ही अपने हाथों में उठा लेते हैं और आकाश मार्ग से वापस लौटते हैं। हनुमान जी के पर्वत लेकर उड़ने का दृश्य रामलीला का विशेष आकर्षण रहा। उनके लौटने पर वैद्य सुषेण संजीवनी बूटी से लक्ष्मण जी का उपचार करते हैं। लक्ष्मण जी के पुनः चेतना में आने पर भगवान श्रीराम उन्हें गले लगा लेते हैं। इस भावपूर्ण दृश्य के साथ उस दिन की लीला को विराम दिया गया। रामलीला के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं दर्शक उपस्थित रहे। दर्शकों ने देर रात तक भगवान श्रीराम की लीलाओं, कलाकारों के प्रभावशाली अभिनय, भावपूर्ण संवादों और भक्तिमय संगीत का आनंद लिया।

विजयादशमी खास: यहां स्थित है सूर्पणखा और मंदोदरी सहित रावण का पूरा परिवार

मध्यप्रदेश में अनूठा मामला, पंचायत ने स्वयं बनवा दिया रावण परिवार का स्थाई चबूतरा

सुनील गोले ⏭ राजगढ़

शायद ही मध्यप्रदेश या देश का कोई राज्य होगा जहां रावण की बहन सूर्पणखा या उनकी पत्नी मंदोधरी का कोई स्थाई स्मारक किसी पंचायत ने बनाया होगा। पर, राजगढ़ जिले की एक ग्राम पंचायत में यह सब चरितार्थ होते दिखाया है। पंचायत ने पूरे रावण के परिवार जिसमें कुंभकरण, मेघनाद, रावण निर्माण स्थाई रूप से करवाया है। हम बात कर रहे हैं राजगढ़ जिले की ग्राम पंचायत किला अमरगढ़ की। यहां के सरपंच गजराज तंवर ने करीब 3 साल पहले एक पक्के चबूतरे पर पूरे रावण परिवार का निर्माण करवाया है। इसमें अकेले सिर्फ सरपंच की भूमिका नहीं है। पूरा गांव यह चाहता था था कि रावण का परिवार बने।

यह है रावण के परिवार को बनाने का कारण

जब हरिभूमि इस बात की तह तक पहुंचा तो कारण पारंपपरिक समझ में आया। किला अमरगढ़ के वर्तमान जागीरदार जयसिंहजी के पुर्वजों ने उन्हें कहा था कि परंपरा का पालन करना है। उसी परंपरा का पालन करते हुए वर्तमान सरपंच गजराज तंवर ने स्थाई रूप से रावण परिवार का निर्माण करवा दिया।

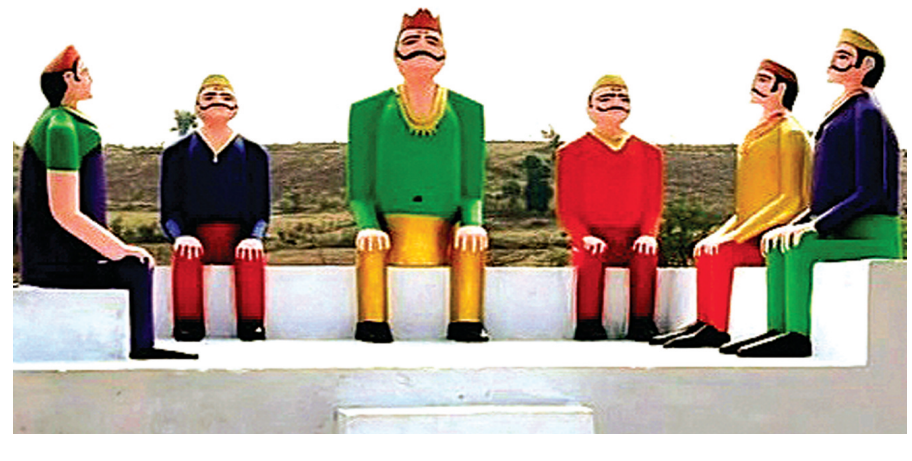

3 जिलों की सीमाएं मिलती हैं इस ग्राम पंचायत से

आपको बताते चलें कि किला अमरगढ़ ग्राम पंचायत से न केवल राजगढ़ जिला बल्कि गुना जिला और राजस्थान के झालावाड़ जिले की सीमाएं भी बिल्कुल 100 मीटर से ज्यादा दूर भी नहीं हैं। इस पंचायत से घोड़ापछाड़ नदी गुजर रहीं है।

विभीषण शामिल नहीं है इस रावण परिवार में

इस पूरे रावण परिवार में दशानन के छोटे भाई विभीषण सम्मिलित नहीं हैं। इसका, कारण बुजुर्गों द्वारा यह बताया जा रहा है कि जो अपने भाई का सगा नहीं हुआ उसकी प्रतिमा हमनें निर्मित नहीं करवाई।

इनका कहना है

इस पूरे ब्रहाण के सबसे बड़े शिव का भक्त के परिवार का निर्माण करवाना क्या गलत है। बुजुर्गों की परंपरा का पालन मै करता आ रहा हूं।

जय सिंह, जागीरदार, किला अमरगढ़, राजगढ़

मेरे जन्म के पहले से परंपरा चली आ रही है। जो यहां के राजाओं, जागीरदारों ने कहा था, उन्हीं की बातों पर अमल करते हुए मैंने रावण दरबार का निर्माण करवाया है।

गजराज तंवर, सरपंच, किला अमरगढ़

सर, रावण ने कभी सीताजी को हाथ लगाया था क्या ? फिर वो कहां से गलत था।

मांगीलाल पंडा, राजगढ़

तीन आरोपियों ने मिलकर की वारदात, चौथे को रकम छिपाने में किया शामिल

50 लाख रुपए की चोरी कर कब्रिस्तान में गाडे, फिर भी पुलिस से नहीं बच पाए आरोपी



एसपी ने किया खुलासा



- चोरी के मामले में 4 आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई, ₹41 लाख नकद, एक अर्टिगा कार, दो मोटरसाइकिल व एक सब्बल जब्त
- रकम पहले घर और कब्रिस्तान में छिपाई, फिर अगले दिन तौसीफ के पास रखवाई, आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड की जानकारी आई

हरिभूमि न्यूज ⏭ जीरापुर

विगत तीन दिन पहले 16 अक्टूंबर को नगर में हुई एक बड़ी चोरी का खुलासा पुलिस ने 72 घंटे के अंदर कर दिया है। पुलिस अधीक्षक अमित तोलानी के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के.एल. बंजारे के मार्गदर्शन में अनुविभागीय अधिकारी खिलचीपुर (पुलिस) धर्मवीरसिंह नागर के नेतृत्व में थाना जीरापुर पुलिस द्वारा 50 लाख की सनसनीखेज चोरी का खुलासा करते हुए आरोपियों से 41 लाख नकद बरामद किए गए हैं। पुलिस ने एक अर्टिगा कार, दो मोटरसाइकिल एवं एक सब्बल भी जप्त किया है।

पुलिस के मुताबिक फरियादी अब्दुल रईस पिता अब्दुल लतीफ, 51 वर्ष निवासी माताजी मोहल्ला, वार्ड क्रमांक 04, ने थाना जीरापुर में रिपोर्ट दर्ज कराई कि जनवरी 2026 में उसने जीरापुर के खारपा रोड स्थित अपनी जमीन 70 लाख में बेची थी। उक्त सौदे में प्राप्त 50 लाख नकद उसने अपने घर में लकड़ी के दीवान में सुरक्षित रखे थे। इसमें 25 लाख काले कपड़े के बैग में तथा 25 लाख गत्ते के कार्टून में रखे हुए थे।दिनांक 15.10.2026 को फरियादी अपनी पत्नी रुबीना, बेटे मोहम्मद साद एवं बेटी सदफ के साथ सगाई के कार्यक्रम में शामिल होने पचपहाड़, मंडी (राजस्थान) गया था। दिनांक 16.10.2026 की रात्रि लगभग 01.15 बजे घर लौटने पर उसने देखा कि प्रथम तल पर स्थित कमरे का कुंडा टूटा हुआ था, ताला गायब था तथा कमरे का सामान अस्त-व्यस्त था। दीवान में रखे 50 लाख नकद गायब मिले। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना जीरापुर में अपराध क्रमांक 381/2026, धारा 305(ए), 331(4) बीएनएस के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

'पुलिस कार्रवाई एवं वारदात का तरीका'

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए थाना जीरापुर पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया तथा मुखबिर तंत्र, सीसीटीवी फुटेज एवं स्थानीय स्तर पर प्राप्त सूचनाओं के आधार पर संदिग्धों की तलाश की। विवेचना के दौरान सामने आए तथ्यों के अनुसार आरोपियों ने फरियादी के घर की छत से प्रवेश किया। आसपास के मकानों की छतें आपस में जुड़ी होने का फायदा उठाकर वे घर के अंदर पहुंचे और दीवान में रखी नकदी चोरी कर ली।वारदात के बाद आरोपियों ने पुलिस को भ्रमित करने के उद्देश्य से नीचे का गेट खोल दिया तथा छत के रास्ते अपने घरों की छत की ओर लौट गए। पुलिस विवेचना में यह भी सामने आया कि चोरी की रकम को आरोपियों ने वारदात के बाद पहले अपने घर में और फिर कब्रिस्तान में छिपाया। अगले दिन चोरी की रकम अपने साथी तौसीफ के पास छिपाकर रखने के लिए दिया गया।

इनआरोपियों से सामना जब्त

-सोहेल पिता सलीम खान, 22 वर्ष, निवासी माताजी मोहल्ला, जीरापुर- 13 लाख नकद- एक अर्टिगा कार।एक सब्बल।

-फुजेल उर्फ फैजल पिता शहजाद खान, 21 वर्ष, निवासी माताजी मोहल्ला, जीरापुर13 लाख नकद- एक मोटरसाइकिल।

-असमत उर्फ समर लाला पिता बादशाह लाला, 23 वर्ष, निवासी माताजी मोहल्ला, जीरापुर13 लाख नकद।

-तौसीफ पिता शहजाद खान, 25 वर्ष, निवासी इमली स्टैंड, खिलचीपुर- 2 लाख नकद- एक मोटरसाइकिल।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक हुकुमसिंह मीना, उप निरीक्षक जितेन्द्र अजनारे, उप निरीक्षक अरविंद राजपूत,उप निरीक्षक अरुण जाट, सहायक उप निरीक्षक शादाब खान, प्रधान आरक्षक फतेह सिंह सिसोदिया, प्रधान आरक्षक नरेन्द्र झाला, प्रधान आरक्षक मंगलेश मीना, प्रधान आरक्षक गणेश धाकड़, प्रधान आरक्षक देवी सिंह दांगी, प्रधान आरक्षक श्यामसुंदर पाटीदार, आरक्षक रवि जाट, आरक्षक अशोक राहोरिया, आरक्षक रवीन्द्र जाट, आरक्षक विष्णु जाट, आरक्षक जुगल सिसोदिया, आरक्षक अनिल राठौर, आरक्षक ललित तोमर, आरक्षक अमित शर्मा एवं आरक्षक तुलसीराम दांगी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जयकारों और पुष्पवर्षा के बीच निकाली चुनर यात्रा, मां चामुंडा को ओढ़ाई चुनर

गिरीराज भक्त मंडल ने पहली बार चुनर यात्रा निकाली

हरिभूमि न्यूज ⏭ जीरापुर

नवरात्रि के पावन पर्व पर गिरीराज भक्त मंडल के तत्वावधान में पहली बार चुनर यात्रा निकाली गई। नगर के बस स्टैंड के समीप स्थित प्रसिद्ध चामुंडेश्वरी माता मंदिर से विधि-विधान से पूजा अर्चना कर चुनर यात्रा की शुरुआत की गई।

चुनर यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों गांधी बस्ती, बस स्टैंड, इंदर चैराहा, बुधवारिया बाजार एवं चोपड़ा बाजार सहित विभिन्न मार्ग से होकर पीपल्दा रोड़ स्थित प्राचीन चामुण्डा माता मंदिर पहुंची। यात्रा के दौरान जगह-जगह श्रद्धालुओं एवं नगरवासियों ने पुष्पवर्षा कर चुनर यात्रा का स्वागत किया। माता रानी के जयकारों से नगर का वातावरण भक्तिमय हुआ। श्रद्धालु मां की भक्ति में लीन नजर आए।नगर भ्रमण के पश्चात चुनर यात्रा पीपल्दा रोड स्थित चामुण्डा माता मंदिर पहुंची, जहां श्रद्धापूर्वक माता रानी को चुनर अर्पित की गई। चुनर यात्रा में जनप्रतिनिधि एवं महिलाएं शामिल हुई।



मां दुर्गा की अलौकिक श्रृंगारित और भावपूर्ण झांकी ने मोहा भक्तों का मन

जीरापुर। नगर के विवेकानंद चैराहे पर हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी माँ नवदुर्गा मंडल समिति के द्वारा मां दुर्गा की आकर्षक एवं भावपूर्ण झांकी सजाई जा रही है।

जिसमें माता रानी के मनमोहक स्वरूप और प्रतिदिन होने वाले विशेष श्रृंगार के दर्शन कर श्रद्धालु भावविभोर हो रहे हैं। झांकी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं में उत्साह देखा जा रहा है।तथा प्रतिदिन अलग-अलग सामाजिक कार्यकर्ता सेवाभावी भक्त बड़ी संख्या में शामिल होकर आरती उतार कर पुण्य लाभ अर्जित कर रहे।इसी क्रम में शनिवार रात्रि को मां दुर्गा की महाआरती का आयोजन किया गया। आरती के दौरान श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव के साथ माता रानी की आराधना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। महाआरती के पश्चात श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।इस अवसर पर पंडित हरिश तिवारी ने मंत्रोच्चारण एवं विधि विधान से पूजा पं. रामबाबू शर्मा ने करवाई जहां आरती आयुष गुप्ता दुपाड़यि, तरुण पंडित, अक्षय जोशी, तन्मय जमींदार, अभिषेक भिलाला , घनश्याम भिलाला सहित प्रेस क्लब के सदस्य एवं श्रद्धालु ने उपस्थित होकर की।



विधायक ने किया मैदान का निरीक्षण, आज होगा 51 फीट रावण के पुतले का दहन



हरिभूमि न्यूज ⏭ नरसिंहगढ़

दशहरा पर्व को लेकर नगर में तैयारियां पूरी की जा रही हैं। मंगलवार को होने वाले दशहरा उत्सव के तहत दशहरे मैदान में 51 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया जाएगा। आयोजन को लेकर की जा रही व्यवस्थाओं का विधायक मोहन शर्मा ने निरीक्षण किया और संबंधित व्यवस्थाओं का जायजा लिया। दशहरे मैदान में रावण दहन कार्यक्रम को लेकर तैयारियां की गई हैं। विधायक शर्मा ने मैदान पहुंचकर आयोजन स्थल की व्यवस्थाएं देखीं। दशहरा उत्सव के दौरान लोगों की भीड़ को देखते हुए व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने पर जोर दिया गया, ताकि नागरिक उत्सव में शामिल होकर कार्यक्रम का आनंद ले सकें।

रघुनाथ जी मंदिर से निकालेंगे जुलूस, अखाड़े होंगे शामिल

दशहरा पर्व पर रघुनाथ मंदिर से दशहरा जुलूस प्रारंभ होगा। जुलूस में विभिन्न अखाड़े शामिल होंगे, जो अपने पारंपरिक प्रदर्शन के साथ उत्सव की शोभा बढ़ाएंगे। जुलूस के दशहरे मैदान पहुंचने के बाद रावण दहन का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। 51 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन दशहरा उत्सव का मुख्य आकर्षण रहेगा।दशहरा पर्व को लेकर नगरवासियों में उत्साह है। रावण दहन और जुलूस में बड़ी संख्या में लोग शामिल होंगे।

नवमी पर माता का विशेष श्रृंगार और आरती, शोभायात्रा में उमड़े श्रद्धालु

जवारे विसर्जन, लालमाता मंदिर पहुंचे नपाध्यक्ष ने की पूजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सारंगपुर

शारदीय नवरात्रि के समापन पर सोमवार को नगर के प्राचीन लालमाता मंदिर सहित विभिन्न देवी मंदिरों में नवमी पूजन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। लालमाता मंदिर में माता का विशेष श्रृंगार कर पूजा-अर्चना और आरती की गई। इसके बाद गाजे-बाजे और माता के जयकारों के बीच जवारे विसर्जन के लिए शोभायात्रा निकाली गई। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष पंकज पालीवाल भी मंदिर पहुंचे और माता की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया।

नवरात्रि के अंतिम दिन सुबह से ही मंदिर में धार्मिक अनुष्ठानों का सिलसिला शुरू हो गया। वर्षों से चली आ रही परंपरा के अनुसार इंदौर से बहिनिया परिवार के सदस्य भी विशेष पूजा-अर्चना के लिए सारंगपुर पहुंचे। परिवार के सदस्यों ने नवमी पूजन में भाग लिया।

गाजे-बाजे के साथ निकली शोभायात्रा

शाम करीब 5 बजे लालमाता मंदिर से जवारे विसर्जन की शोभायात्रा शुरू हुई। यात्रा रंगेरवाड़ी, जामा मस्जिद, सदर बाजार और गांधी चैक होते हुए कालीसिंध नदी के मथुरा घाट पहुंची। यहां विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद जवारों का विसर्जन किया गया। घाट पर बनाए गए कुंडों का उपयोग किया गया। पुलिसकर्मियों ने भी व्यवस्था संभाली।इस दौरान नपाध्यक्ष पंकज पालीवाल ने बहिनिया परिवार के सदस्यों से मुलाकात कर मंदिर में साफ-सफाई सहित आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए नगर पालिका की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। इस दौरान रमेश, कमलेश, चंपालाल, राजेंद्र, सुनील, विजय, जितेंद्र, उमेश, लोकेश, कान्हा, अजय, गौरव, अमन, अज्जू, बादल और आयुष बहिनिया सहित परिवार के सदस्य मौजूद रहे। मंगलवार को श्रद्धालु बदलीपुरा स्थित हनुमान मंदिर में भगवान हनुमानजी को चोला चढ़ाएंगे। धार्मिक अनुष्ठान पूरे होने के बाद परिवार इंदौर रवाना होगा।



मोबाइल में अंक मिले

जुआ-सट्टे के खिलाफ पुलिस कार्रवाई में एक आरोपी धराया



हरिभूमि न्यूज ⏭ माचलपुर

नगर एवं क्षेत्र में जुआ-सट्टे के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में शुक्रवार को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने माचलपुर निवासी राहुफ पिता अकबर खान को उसके निवास के पास से पकड़ा। प्राप्त जानकारी के अनुसार, उसके मोबाइल में सट्टे के अंकों से संबंधित प्रविष्टियां मिली हैं। बताया जा रहा है कि मोबाइल में कुछ अन्य लोगों द्वारा भेजे गए सट्टे के अंक भी दर्ज थे। पुलिस इन प्रविष्टियों और मोबाइल में दर्ज नंबरों के आधार पर मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रही है। इस संबंध में नाना उर्फ धर्मेंद्र, शिवनारायण मालवीय और हेमराज राठौर के नाम भी सामने आए हैं।

भक्तों ने निकाली 151 मीटर लंबी चुनर यात्रा, चुनर थामे जयकारे लगाते हुए चल रहे थे

राम राज्याभिषेक के साथ किया नौ दिवसीय रामलीला का भव्य समापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ लखनवास

श्री खेड़ापति माता मंदिर परिसर में चल रही नौ दिवसीय लघु रामलीला का समापन प्रभु श्रीराम के राज्याभिषेक के बड़े हर्षोल्लास के साथ हुआ। समापन से पहले गांव में भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला।

नवदुर्गा उत्सव समिति लखनवास एवं आसपास के गांवों की सभी नवदुर्गा उत्सव समितियों और ग्रामीणों ने मिलकर मां विंध्यवासिनी बल्डी माता मंदिर पर 151 मीटर लंबी चुनर यात्रा निकाली। यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों ने भाग लिया। हाथों में चुनर थामे श्रद्धालु जय माता दी के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। इस लंबी चुनर को माता रानी को विधिवत चढ़ाया गया। चुनर यात्रा के बाद खेड़ापति माता मंदिर परिसर में चल रही लघु रामलीला के अंतिम दृश्य का मंचन किया गया। गांव के ही स्थानीय कलाकारों द्वारा 9 दिन तक शिव विवाह से लेकर राम जन्म, सीता हरण, हनुमान लीला और अंत में राम राज्याभिषेक की लीला का सुंदर मंचन किया गया, जिससे पूरे गांव में भक्ति का माहौल बना रहा।दशमी के पावन पर्व पर मां दुर्गा पंडाल की विदाई के साथ ही रामलीला का भी विधिवत समापन किया गया। इस दौरान नवदुर्गा उत्सव समिति के सभी सदस्य एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी मौजूद रहे।



